संगीत नाटक अकादेमी

संगीत नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था

नई दिल्ली

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता (अकादेमी रत्न)

तथा

संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कारों (वर्ष 2016) की घोषणा

संगीत, नृत्य तथा नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी - संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली की महापरिषद की बैठक 24 मई 2017 को गुवाहाटी (असम) में हुई थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रदर्शन कला क्षेत्र की चार सुप्रतिष्ठित विभूतियों—श्री अरविंद परिख, श्रीमती आर. वेदवल्ली, श्री राम गोपाल बजाज तथा श्री सुनील कोठारी को संगीत नाटक अकादेमी का रत्न सदस्य (अकादेमी रत्न) चुना गया।

अकादेमी की रत्न सदस्यता वस्तुतः सबसे प्रतिष्ठित तथा दुर्लभ सम्मान है, जिसकी संख्या एक समय में 40 से अधिक नहीं हो सकती। उपर्युक्त चार कला-विभूतियों के चयन के पश्चात संगीत नाटक अकादेमी के रत्न सदस्यों की संख्या 40 हो गई है।

संगीत नाटक अकादेमी के महापरिषद की बैठक में संगीत, नृत्य, नाटक, परम्परागत/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/नाटक, पुतुल तथा प्रदर्शन कला-क्षेत्र में समग्र योगदान/विद्वत्ता के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार 2016 हेतु कुल 43 कलाकारों का चयन किया गया। इन 43 कलाकारों में दो संयुक्त पुरस्कार वाले कलाकार भी शामिल हैं।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु संगीत के क्षेत्र से चयनित कुल 11 प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम हैं— पद्मा तळवलकर तथा प्रभाकर कारेकर (हिन्दुस्तानी गायन), अरविंद मुळगाँवकर (हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत-तबला), कला रामनाथ (हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत–वायलिन), नीला रामगोपाल तथा के. ओमानक्कुट्टि (कर्नाटक गायन), जे. वैद्यनाथन (कर्नाटक वाद्य संगीत–मृदंगम), मैसूर मंजुनाथ (कर्नाटक वाद्य संगीत–वायलिन), निँथौजम श्यामचान्द सिंह (नट संकीर्तन, मणिपुर), रत्नमाला प्रकाश (संगीत की अन्य प्रमुख परंपराएं-सुगम संगीत) तथा अहमद हुसैन एवं श्री मोहम्मद हुसैन–हुसैन बंधु (संगीत की अन्य प्रमुख परंपराएं-सुगम संगीत के लिए संयुक्त पुरस्कार) को वर्ष 2016 के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना गया है।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु नृत्य के क्षेत्र से चयनित कुल 9 प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम हैं— गीता चंद्रन (भरतनाट्यम), जितेन्द्र महाराज (कथक), कलामंडलम रामचन्द्रन उन्नीथन (कथकलि), मैसनाम कामीनिकुमार सिंह (मणिपुरी), ए.बी. बाला कोंडला राव (कूचिपूड़ि नृत्य), रतिकांत महापात्र

(ओडिसी नृत्य), हरिचरण भूञा बरबायण (सत्रिय नृत्य), गोपाल प्रसाद दूबे (छऊ नृत्य) तथा अनिता रत्नम (समसामयिक नृत्य)।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु नाटक के क्षेत्र से चयनित कुल 9 प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम हैं– कुसुम कुमार (नाट्य लेखन), सत्यब्रत राउत, बिपिन कुमार तथा राजकमल नायक (निर्देशन), गिरीशन वी., ओइनाम बीरमंगल सिंह तथा मोहन विष्णू जोशी (अभिनय), अंजना पुरी (रंगमंच से सम्बद्ध कलाएँ–नाट्य संगीत), के. गोविंद भट्ट (अन्य प्रमुख नाट्य परम्पराएँ–यक्षगान)।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु परम्परागत/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/नाटक तथा पुतुल के क्षेत्र से चयनित कुल 10 कलाकारों के नाम हैं–अन्नाबत्तुला लक्ष्मी मंगतयारू तथा अन्नाबत्तुला लीला साई (संयुक्त पुरस्कार)– पारम्परिक नाटक (कलावंतुलु, आंध्र प्रदेश), योगेश गढवी (लोक संगीत, गुजरात), विद्यानन्द सरैक (लोक संगीत, हिमाचल प्रदेश), सोमनाथ दा. च्यारी (पारम्परिक संगीत, गोवा), लक्ष्मीधर राउत (पाला, ओडिशा), चिरंजी लाल तँवर (मांड, राजस्थान), गुल्ज़ार अहमद गनाई (चकरी संगीत, जम्मू एवं कश्मीर), ब्रज किशोर दूबे (लोक संगीत, बिहार), प्रभीतांशु दाश तथा दत्तात्रेय अरळीकट्टे (पुतुल कला)।

प्रदर्शन कलाओं के क्षेत्र में विद्वत्ता के लिए पप्पू वेणुगोपाल राव को तथा प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान के लिए श्री अविनाश पसरीचा को वर्ष 2016 के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है।

कलाकारों को अकादेमी रत्न सम्मान वर्ष 1954 से, तथा अकादेमी पुरस्कार वर्ष 1952 से दिये जाते रहे हैं। ये सम्मान केवल उत्कृष्टता और उपलब्धियों के उच्चतम स्तर के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि कलाकारों द्वारा निरंतर रूप से किए गए व्यक्तिगत कार्यों एवं उपलब्धियों को भी मान्यता प्रदान करते हैं। अकादेमी रत्न को नगद रुपये 3,00,000/- (तीन लाख रूपये) तथा अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित कलाकार को नगद रुपये 1,00,000/- (एक लाख रूपये) की राशि के अतिरिक्त एक ताम्रपत्र तथा अंगवस्त्रम भेंट किया जाता है।

संगीत नाटक अकादेमी द्वारा चयनित अकादेमी रत्न सदस्यों तथा पुरस्कृत कलाकारों को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

वर्ष 2016 के लिए चयनित अकादेमी रत्नों तथा अकादेमी पुरस्कार हेतु चयनित कलाकारों की सूची इस पत्र के साथ संलग्न है।

डॉ. ऋतास्वामी चौधरी
सचिव
संगीत नाटक अकादेमी